19.5.20 9.8.20

प्रत्यक्षीकरण - Perception

Que:- स्व-प्रत्यक्षीकरण को परिभाषित करें तथा इसके किन्हीं दो सिद्धांतों की विवेचना करें।
(Define self perception and discuss any two theories)

Ans:- स्व-प्रत्यक्षीकरण क्या है? - स्व-प्रत्यक्षीकरण का अर्थ है अपने आपको जानना। जिस प्रकार व्यक्ति दूसरों को जानने का प्रयास करता है उसी तरह वह अपने को भी जानने की कोशिश करता है। व्यक्ति एक दूसरे का मूल्यांकन करता है तथा उनके प्रति कोई विशेष धारणा बना लेता है और दूसरी ओर वह अपने-आप का मूल्यांकन करता है तथा अपने बारे में एक विशेष धारणा बना लेता है। दूसरों का प्रत्यक्षीकरण करना, उनके प्रति कोई धारणा बनाना या कोई निर्णय करना अन्य प्रत्यक्षीकरण कहलाता है। इसके विपरीत अपने-आप का प्रत्यक्षीकरण करना अपने प्रति कोई धारणा बनाना या निर्णय करना स्व-प्रत्यक्षीकरण कहलाता है। वास्तव एवं इसके अनुसार व्यक्ति व्यवहारों का स्वयं निरीक्षण करता है। इसके अपने शब्दों में "स्व-प्रत्यक्षीकरण वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा कर्ता अपने व्यवहार के कारणों को ढूंढ निकालता है।

स्व-प्रत्यक्षीकरण का महत्व (Importance of Self Perception)

स्व-अन्तर्वैयक्तिक संबंधों की समझ के लिए पर-प्रत्यक्षीकरण के साथ-साथ स्व-प्रत्यक्षीकरण भी आवश्यक है। यह एक सामान्य विश्वास है कि अपने को जानना बहुत आसान है और प्रायः प्रत्येक व्यक्ति अपने-आपको अच्छी तरह जानता है। सोक्रेटिस यह विचार व्यक्त है "मैं कौन हूँ" भारतीय दर्शन भी यह एक बहुत गहन समस्या कम भी थी, आज भी है और भविष्य में कम भी रहेगी।

स्व-प्रत्यक्षीकरण के संबंध में एक महत्वपूर्ण प्रश्न